मीडिया समन्वयक कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 28 अप्रैल 2018

छत्तीसवें अंतरराष्ट्रीय भूवैज्ञानिक ओलंपिक की तैयारी संबंधी कार्यशाला जामिया मिल्लिया में संपन्न

जामिया मिल्लिया इस्लामिया :जेएमआईः में छत्तीसवें अंतरराष्ट्रीय भूवैज्ञानिक ओलंपिक :36वीं आईजीसीः के विज्ञान विषय के समन्वयकों की दो दिवसीय कार्यशाला आज संपन्न हुई। इस कार्यशाला का उद्देश्य समन्वयकों द्वारा आपसी विचार विमर्श से भूवैज्ञानिक कांग्रेस से जुड़े विषयों का गहराई से अध्ययन करके उसके सार तत्वों को सामने लाना है । इससे आईजीसी में हिस्सा ले रहे भूवैज्ञनिकों को चर्चा में उसे आगे बढ़ाने में आसानी हो।

जेएमआई के वाइस चांसलर और सम्मेलन की विज्ञान मामलों की समिति के चेयर प्रो तलत अहमद ने कार्यशाला में हिस्सा ले रहे वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए कहा, यह बहुत गर्व और खुशी की बात है कि भारत इस मेगा आयोजन की मेज़बानी करने वाला एशिया का पहला देश बना है।

उन्होंने कार्यशाला में हिस्सा ले रहे सभी भू वैज्ञानिकों से कहा कि वे 36वीं आईजीस को सफल बनाने में कोई कोर क़सर बाक़ी नहीं छोड़ें। इस कार्यशाला के अध्यक्ष , पद्मश्री प्रो वीपी दिमरी ने बताया कि इस कांग्रेस को भारत में आयोजित करवाने के लिए कितनी मेहनत करनी पड़ी। उन्होंने कहा कि अब इस अवसर का लाभ उठाते हुए हमें दुनिया भर से आने वाले भू वज्ञानिकों को यह दिखाना है कि भारत में इस क्षेत्र में कितनी ज्यादा वैज्ञानिक प्रतिभा है।

36वीं कांग्रेस के महासचिव डा पी आर गोलानी ने सम्मेलन की तैयारियों से जुड़ी सारी जानकारी उपलब्ध कराई। प्रत्येक विषय से जुड़े समन्वयकों ने कार्यशाला में अपनी अपनी योजना पेश की।

इस सम्मेलन में भू विज्ञान से जुड़े कुल 42 विषयों पर चर्चा हुई।

भू वैज्ञनिकों का 'ओलंपिक' कहे जाने वाले इस अंतरराष्टीय भू वैज्ञानिक कांग्रेस का आयोजन हर चार साल पर होता है और इसकी मेज़बानी के लिए ओलंपिक खेलों की तरह बोली लगाई जाती है। जिस देश के पक्ष में बोली जाती है वह आगामी आठ साल बाद होने वाले इस सम्मेलन का आयोजन करता है। भारत ने 2020 में आईजीसी :ओलंपिकः कांग्रेस की मेज़बानी की बोली 2012 में आस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन में जीती थी।

इस ओलंपिक का आयोजन खनन मंत्रालय और भू विज्ञान मंत्रालय मिल कर रहे हैं। इसे भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी का भी सक्रिय समर्थन प्राप्त है। इसके अलावा पड़ोसी देश, बांग्लादेश, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका की विज्ञान अकादमियां भी इसकी सह आयोजक होंगी।

प्रोफेसर साइमा सईद

मीडिया कोऑर्डनैटर